Raj Express (Indore), 23rd November 2025, Page – 4

आईआईटी : नजर आई छात्र जीवन की समग्र झलक

भारतीय मूल के 40 लोगों के प्रतिनिधि मंडल का भारत जानो कार्यक्रम के तहत दौरा

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की प्रतिष्ठित पहल भारत जानों कार्यक्रम (केआईपी) के अंतर्गत दूसरी और तीसरी पीढ़ी के भारतीय मूल (पीआईओ) के 40 लोगों के प्रतिनिधि मंडल का उत्साह से स्वागत किया गया। इस दौरे का उद्देश्य प्रतिनिधियों को भारत की शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार व युवा-प्रधान विकास में हो रही प्रगति का प्रत्यक्ष अनुभव करवाना था। भारतीय प्रवासी समुदाय के इन युवा सदस्यों ने संस्थान की विश्वस्तरीय शैक्षणिक व शोध अवसंरचना का अवलोकन करते हुए संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों के साथ बातचीत की। यह भ्रमण कैंपस टूर और सांस्कृतिक संवाद के साथ संपन्न हुआ, जिसने प्रतिनिधियों को आईआईटी इंदौर के जीवंत शैक्षणिक परिवेश और छात्र जीवन की एक समग्र झलक प्रदान की।

भविष्य के अवसरों को तलाशने में व्यक्त की रुचि

छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ आयोजित संवाद सत्र के दौरान पीआईओ प्रतिनिधियों ने प्रौद्योगिकी और शिक्षा के क्षेत्र में भारत की तीव्र प्रगति की सराहना की। कई सदस्यों ने भारत में शैक्षणिक सहयोग, इंटर्नशिप व भविष्य के अवसरों को तलाशने में अपनी रुचि भी व्यक्त की। आईआईटी इंदौर के अधिकारियों ने सांस्कृतिक रिश्तों को मजबूत करने और विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए ऐसे डायस्पोरा एंगेजमेंट प्रोग्राम के महत्व पर जोर दिया। संस्थान ने प्रतिनिधि मंडल के इंडिया इमर्शन एक्सपीरियंस के लिए आईआईटी इंदौर को एक विशेष संस्थान के तौर पर चुनने के लिए विदेश मंत्रालय का आभार व्यक्त किया।

शोधकर्ता व नवोन्मेषकों से बात करने का अवसर: शुरुआत में आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने अत्याधुनिक अनुसंधान, वैश्विक सहयोगों व विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राष्ट्रीय योगदानों के संदर्भ में संस्थान की उपलब्धियों को रेखांकित किया। प्रतिनिधियों को आईआईटी इंदौर में चल रहे उन्नत पदार्थ, अंतरिक्ष तकनीक, सतत् ऊर्जा, रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैवविज्ञान और ग्रामीण विकास से संबंधित अनुसंधानों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिनिधिमंडल ने परिष्कृत उपकरण केंद्र, मेकरस्पेस व चिकित्सा उपकरण व अनुसंधान उत्कृष्टता केंद्र सहित कई प्रमुख प्रयोगशालाओं और केंद्रों का दौरा किया ।